ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-05-2024

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-15	2024-05-16	2024-05-17	2024-05-18	2024-05-19
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	40.0	41.0	42.0	43.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	27.0	27.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	38	35	30	28
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	22	20	18	15
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	11	11	12	18
पवन दिशा (डिग्री)	120	90	120	300	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 15-19 मई के दौरान जिले में आसमान साफ एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं एवं 16-19 मई के दौरान दक्षिण बिहार के जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई हैं। • अधिकतम तापमान 38-43 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 37 से 56 प्रतिशत तथा दोपहर में 15 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि अवधि में 12-14 किमी/घंटा की रप्तार से पूरबा एवं दक्षिण पूरबा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

खेत से मिट्टी के नमूनों को इकठ्ठा कर मृदा जाँच अवश्य करवायें एवं आगामी फसल के लिए समेकित पोषक तत्व प्रबंधन करें।

लघु संदेश सलाहकार:

धान के खेत में हरी खाद के लिए ढेंचा की बुआई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से कर सकते हैं। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौडाई 1.25-1.5 मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें।
मूँग	मूंग एवं उरद् में कीट एवं रोग-व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें। इन फसलों में सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होने वाला एक विनाशकारी रोग पीला मोजैक विषाणु रोग है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8 एस0 एल0/0.3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट 30 ई0सी0दवा का 1.0 मि0ली0/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से छिडकाव करें।
हल्दी	विगत दिनों हुई वर्षा जल का लाभ उठाते हुए हल्दी की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, आर. एच.-05 सुगुना, सुवर्णा, सुगंधम एवं कृष्ण किस्में अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 60 से 75 किलोग्राम, स्फूर 50 से 60 किलोग्राम, पोटास 100 से 120 किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30-35 ग्राम जिसमें 4 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30X20 से0मी0 तथा गहराई 5 से 6 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए 2.5 ग्राम डाईथेन एम0 45+0.1 प्रतिशत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे।
अदरक	अदरक की मरान, सुरुचि, सुप्रभा, सुरभि किस्में अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, स्फूर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20-30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X30 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	आगामी दिनों में लू चलने की संभावना को देखते हुए सलाह दी जाती है कि जानवरों को स्वच्छ पेयजल दें और उन्हें धूप के दौरान छायादार स्थान पर रखें।